VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: **तीन घंटे**
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 45943301

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : JITENDRA KUMAWAT

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

HINDI

तारीख
Date

25/08/2024

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre MUKHERJEE Nagar

Shelly

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

VISIONIAS

	महत्वपूर्ण अनुदेश	Important Instructions
	उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	**Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use

परीक्षक के हस्ताक्षर
Signature of Examiner(s)

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

VISION IAS

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. (a) साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकता है, इसका सरल और स्पष्ट कारण यह है कि प्रयुक्त साधन ही प्राप्त होने वाले साध्यों की प्रकृति निर्धारित करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The end cannot justify the means, for the simple and obvious reason that the means employed determine the nature of the ends produced. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

"नैतिक कार्यों हेतु साधन एवं साध्य दोनों का पवित्र होना आवश्यक है"

— महात्मा गांधी

साधन तथा साध्य की पवित्रता क्यों?

① साधन साध्य में अविभेद की स्थिति जैसे -
महात्मा गांधी द्वारा स्वतंत्रता (साध्य) हेतु अहिंसा (साधन) का मूल्य

② साधनों का प्रभाव साध्य पर प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से
जैसे प्रत्यक्ष → रोग को दूर करने हेतु टीकाकरण करना
अप्रत्यक्ष जैसे रोबिन हुड की अवधारणा

③ साधनों द्वारा साध्य की प्रकृति निर्धारण करना

VisionIAS

जैसे - आतंकवादियों द्वारा हिंसा के साधन मानकर लोक भय बढ़ाना

(4) यदि साधन पवित्र लेकिन साध्य अपवित्र तो सामाजिक नुकसान

जैसे → किसी बच्चे द्वारा दुखी बहन को खिलाने हेतु रोटी चोरी करना गलत प्रथा

(5) यदि साधन अपवित्र लेकिन साध्य पवित्र तो नैतिकता का ह्रास

जैसे - ओपन हमला द्वारा बन किया था

जापान पर अमेरिका द्वारा परमाणु हमला

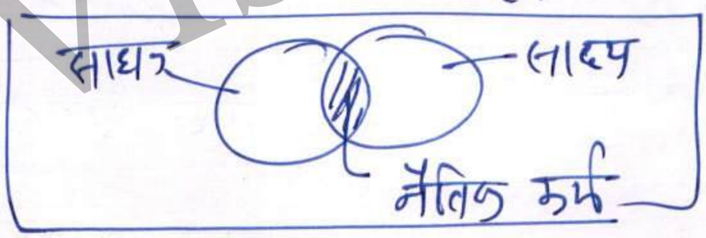

इसलिए नैतिक कर्मों की उपलब्धता हेतु साधन साध्य दोनों पवित्र होने चाहिए, क्योंकि

"कबीर कमाई आपकी कभी न निष्फल जाय
बोया पेड बबूल का तो आम कहां से पाय"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

VisionIAS

1. (b) चर्चा कीजिए कि कानून एवं नैतिकता के बीच का संबंध किस प्रकार गतिशील होता है और सामाजिक परिवर्तनों द्वारा निरंतर आकार ग्रहण करता है। इस गतिशील संबंध को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how the relationship between law and ethics is dynamic and continuously shaped by societal changes. Provide examples to illustrate this dynamic relationship. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कानून - सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक तंत्र के सुचारु संचालन हेतु राज्य द्वारा बनाये गये मानदंड जैसे - सती प्रथा निषेध,

नैतिकता - किसी व्यक्ति के कार्यों का मूल्यांकन सामाजिक मानदंडों के आधार पर शुभ तथा अशुभ के रूप में करना

जैसे - आतंकवादी कृत्य - अनैतिक
- जीव सेवा - नैतिक

कानून और नैतिकता के बीच संबंध

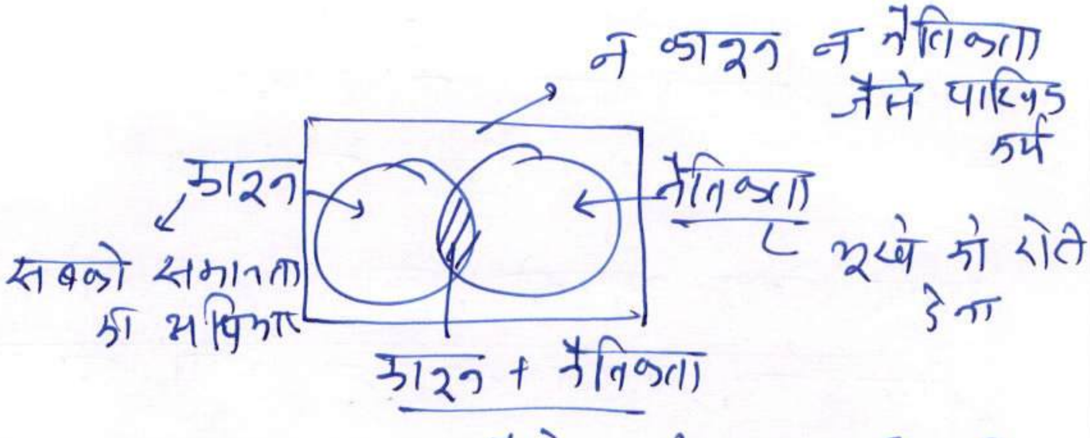

जैसे - जीव-मात्र के प्रति दया

VisionIAS

गतिशील संबंधो से सामाजिक परिवर्तनों द्वारा निरंतर आकार गढ़ता।

① कानून के प्रभाव में नैतिकता का स्थापित होना

जैसे → सती प्रथा कानून से सती प्रथा का अंत

बाल विवाह निषेध से बाल विवाह का अंत

② नैतिकता के प्रभाव में कानून बनाना

जैसे - राज्य के नीति-निदेशक तत्व (DPSP) - नैतिकता हेतु

③ नैतिकता में बदलाव से कानून में बदलाव

जैसे - प्राचीन समय में मानव बलि नैतिक लेकिन कालांतर में मानव बलि का मूल्य बदला तो कानून का निर्माण।

नैतिकता तथा कानून दोनों ही समाज के सुचारु संचालन हेतु आवश्यक है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

2. (a) उपयुक्त उदाहरणों के साथ शुचिता (प्रोबिटी) और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ये मूल्य सिविल सेवाओं में नैतिक अभिशासन और निर्णय-निर्माण में किस प्रकार योगदान देते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Differentiate between probity and integrity with suitable examples. How do these values contribute to ethical governance and decision-making in the civil services? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

शुचिता (Probity) का तात्पर्य अपने नैतिक व अच्छे गुणों का पालन करना तथा भ्रष्ट न होने का आचरण करना
↳ माननमैन समिति

सत्यनिष्ठा का अर्थ है मन, वचन, कर्म से ईमानदार बने रहना, नैतिक सिद्धांतों व नैतिक कार्यों में सुसंगति होना
↳ महात्मा गांधी

शुचिता	सत्यनिष्ठा
① भ्रष्ट न होना जैसे - न रिश्वत लेना न देना तथा इसकी रिपोर्ट करना	① नैतिक बने रहना जैसे - यदि कोई नहीं देख रहा हो तब भी अच्छे कार्य करना यथा - रात 2 बजे ट्रैफिक सिग्नल का पालन
② दबावों में शुचिता का पालन करना कठिन	② हमेशा पालन करना अनिवार्य जैसे सत्याग्रह के समय अंग्रेजी सत्ता द्वारा

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नैतिक अभिशासन में योगदान

- नैतिक मूल्यों के अनुरूप शासन
- समावेशिता बढ़ाना
- जवाबदेही, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व बढ़ाना
- निष्काम कर्म (गीता) का पालन करना
- लोक कल्याणकारी राज्य की आवश्यकता पूर्ति जैसे - O.P चौधरी (IAS) द्वारा शैक्षिक कार्य
- नियमों पर नहीं नैतिकता का अधिक ध्यान

निर्णय-निर्माण में योगदान

1. अधिकतम लोगों का अधिकतम लाभ देखना
2. अंतरात्मा का पालन करना
3. सत्यनिष्ठ व ईमानदार बने रहे
4. दबावों का शमन करना

जैसे आसाराम केस में IPS अजयपाल लांबा द्वारा

शुचिता तथा सत्यनिष्ठा एक दूसरे से पृथक होते हुए भी अनिवार्य रूप से एक दूसरे से जुड़ी हुई है।

VisionIAS

2. (b) लोक प्रशासन में सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। पारदर्शिता किस प्रकार सरकारी संस्थाओं में जवाबदेही को बढ़ा सकती है और भ्रष्टाचार को कम कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the ethical implications of withholding information in public administration. How can transparency enhance accountability and reduce corruption in government institutions? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पारदर्शिता का तात्पर्य है सूचनाओं, प्रक्रियाओं, क्रियाओं जानकारी के बारे में जानना। यह, क्यों? कैसे? कब? कितना? इत्यादि बातों पर ध्यान देती है

जैसे - मंत्रियों की भी ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल गई सलाह

सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थ

+ve

- (1) लोक कल्याण की पूर्ति
- (2) कानूनों की पालना जैसे आफिशियल सीक्रेट एक्ट - 1923
- (3) असंवेदनशील जानकारी को छुपाना

  क्यू. ऐसी जानकारी जो सामाजिक सौहार्द बिगाड़ सकती है
- (4) विश्वास बनाये रखना

  जैसे - अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों या अन्य देशों से प्राप्त जानकारी

  उदा० आतंकवाद संबंधी जानकारी

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

-ve

- यह पारदर्शिता को घटाता है
  - जैसे - बहुत से NGO द्वारा आय की जानकारी न देना
- यह अनैतिक कार्यों को बढ़ावा देता है
  - जैसे - ऐसी जानकारी से मनोवृत्ति
- विवेकाधिकार बढ़ाना — परिवर्तन उदा० एमनेस्टी इंटरनेशनल

पारदर्शिता द्वारा जवाबदेहिता बढ़ाना भ्रष्टाचार घटाना

जवाबदेही बढ़ाना

- जवाबदेह सरकार का निर्माण जैसे - RTI Act
- अपनी योजनाओं की जानकारी जैसे
  - मेरी योजना मेरा मूल्य - हरियाणा
- विवेकाधिकार कम करती जैसे - MKSS

भ्रष्टाचार घटाना

- सत्य डेटा उपलब्ध करवाना → जैसे स्वर्णिम चतुर्भुज
- दोषियों को सजा जैसे - 2G घोटाला
- विवेकाधिकार के कार्यों की व्याख्या का दायित्व होना

विवेकाधिकार + सत्ता - जवाबदेही = भ्रष्टाचार

इसलिए सूचना प्रकटीकरण का पारदर्शिता को बढ़ावा देना चाहिए

VisionIAS

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What do each of the following quotations mean to you?

(a) "एक सभ्य घर के बराबर कोई स्कूल नहीं है और सद्गुणी माता-पिता के बराबर कोई शिक्षक नहीं है।"- महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"There is no school equal to a decent home and no teacher equal to a virtuous parent."- Mahatma Gandhi (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

महात्मा गांधी ने माना कि एक सभ्य परिवार में ही नैतिक व्यक्ति का विकास हो सकता है जैसे - सत्यवादिता और अस्पृश्यता जैसे गुण महात्मा गांधी ने अपनी मां से सीखे

सभ्य घर के बराबर स्कूल नहीं

- एक सभ्य घर में नैतिक मूल्य सीखना जैसे - मां से - ममता, दया.
  पिता से - नेतृत्व साहस
  भाई बहन से - साझाकरण
  दादा-दादी से - आध्यात्मिक मूल्य
- (2) बच्चे घर व परिवार की रीतियों से ही सीखते है जैसे
  - बड़ों के पैर छूने के मूल्य
- (3) बच्चे का शारीरिक विकास
  - विभिन्न विषयों की जानकारी सीखना जैसे - जीव मात्र के प्रति दया

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

माता-पिता द्वारा शिक्षण की भूमिका

— माँ बच्चे की प्रथम शिक्षक होती है

— अच्छे कार्यों का प्रशंसा तथा अनैतिक कार्यों का निंदा (दंड एवं पुरस्कार नीति)

— सामाजिक अनुपालन
  — माता-पिता ही बच्चों को सामाजिक अनुपालन हेतु तैयार करते है।

— आब्जर्वेशनल लर्निंग

— दैनी हालों तथा वायस मेकी प्रयोग
  — शारीरिक आवश्यकताओं के अलावा भावनात्मक आवश्यकताएं की पूर्ती

मेरा दृढ़ विश्वास है कि बच्चों को स्वच्छ मनों वाला और भ्रष्टाचार रहित बनाने में तीन लोग प्रमुख भूमिका निभा सकते है वे है - माता पिता, तथा गुरु

- एपीजे कलाम

VisionIAS

3. (b) "हर कोई दुनिया को बदलने के बारे में सोचता है, लेकिन कोई भी खुद को बदलने के बारे में नहीं सोचता।" - लियो टॉल्स्टॉय (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"Everyone thinks of changing the world, but no one thinks of changing himself." - Leo Tolstoy (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लियो टाल्सटॉय का यह कथन ज्ञान, इच्छा तथा क्रिया के मध्य विरोधाभास को प्रदर्शित करता है।

दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति चाहता है कि वह इस दुनिया को बदले लेकिन वह स्वयं कभी नहीं बदलना चाहता।

जैसे हर कोई चाहता है कि महिलाएं आगे बढ़े लेकिन फिर भी लैंगिक असमानता का विरोध नहीं करता।

स्वयं को बदलना आसान नहीं क्योंकि

i) व्यक्तिगत हानि का भय
ii) सामाजिक विरोध का डर
iii) इच्छा शक्ति की कमी

VisionIAS

यदि व्यक्ति खुद को बदले तो दुनिया में आमूल-चूल परिवर्तन जैसे

i) नेल्सन मंडेला द्वारा दक्षिणी अफ्रीका स्वतंत्रता संग्राम हेतु स्वयं को बदलना

2) मार्टिन लूथर किंग द्वारा अमेरिकी समाज को बदलने हेतु स्वयं को बदलना

स्वयं को बदलना → सामाजिक अभिवृत्ति में बदलाव → सामाजिक नैतिकता की स्थापना

- स्वयं को बदलना: बेटियों को बचाने हेतु - सेल्फी विद डॉटर या म्हारी लाडो अभियान
- सामाजिक अभिवृत्ति में बदलाव: सामाजिक अनुरूपता
- सामाजिक नैतिकता की स्थापना: बाल लैंगिक अनुपात सुधार

हर कोई चाहता है कि समाज में भगत सिंह पैदा हों पर कोई नहीं चाहता कि वह उनके घर पैदा हो।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin
VisionIAS

3. (c) "जो सही है उसे देखकर भी उसे न करना कायरता है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"To see what is right and not do it is a lack of courage." – Confucius (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कन्फ्यूशियस व्यक्ति के साहस, संयम, विवेक को अत्यधिक मान्यता देते है। उनके अनुसार एक साहसी व्यक्ति वही होता है जो सही कार्य देखकर स्वयं को बदले

जैसे – रामायण में वाल्मिकी जी का बदलना

जो सही है उसे देखकर क्यों नही बदलते

कारण

- ① साहस की कमी
- ② सामाजिक अनुपालन
  - समाज द्वारा कठोर मानदंड निरूपण पालन न करने पर निंदा व दंड
- ③ लोग सोचते है सब ऐसा ही तो कर रहे है।
- ④ चलता है कि संस्कृति

VisionIAS

कैसे बदले

- आधिभौतिक परिवर्तन
- कठोर निर्णय लेने की शक्ति
- नैतिक दुविधाओं का शमन करना
- पुराने उदाहरणों से सीखना
  जैसे- स्वतंत्रता संग्राम
- नैतिक मूल्यों का अनुपालन
- महापुरुषों द्वारा दिये गये मूल्यों का आचरण
  जैसे सत्यनिष्ठा, अहिंसा,

बदलने के लाभ

- सामाजिक नैतिकता
- न्याय के शासन की स्थापना
  (जान रॉल्स)
- साहस के अधीन संयम, विवेक का होना - नैतिक निर्णय

"यदि हिंसा और कायरता में किसी को चुनना हो तो हिंसा चुने"

महात्मा गांधी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin
VisionIAS

4. (a) किसी व्यक्ति में सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं? सकारात्मक अभिवृत्ति सिविल सेवकों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी कार्यक्षमता को कैसे बढ़ाती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What factors lead to a positive attitude in a person? How does positive attitude enhance the effectiveness of civil servants in performing their duties? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अभिवृत्ति - किसी व्यक्ति की किसी विषय वस्तु, विचार इत्यादि के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक मनोवृत्ति की अभिवृत्ति है।

जैसे - जैन समाज अहिंसा के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति

सकारात्मक अभिवृत्ति बदलने वाले कारक

- लालन-पालन की विधियां / परवरिश
  - नैतिक सद्गुणों के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति
  - जैसे - ईमानदारी सत्यनिष्ठा
- दंड एवं प्रशंसा की नीति
  - अच्छे कार्य पर प्रशंसा गलत कार्य पर दंड
- विद्यालय व मित्र मंडली
  - अच्छे मित्र की सकारात्मक अभिवृत्ति

VisionIAS

(समाज) - नैतिक समाज के सकारात्मक अभिवृत्ति

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सिविल सेवाओं में सहायता

- संविधान का पालन करना
  जैसे - मूल अधिकारों की रक्षा
- नियमों, कानूनों, विनियमों की पालना
  जैसे - दहेज प्रतिषेध का संचालन
- गैर पक्षधारिता - राजनीतिक अभिवृत्ति का निर्धारण
- तटस्थता - अपने पूर्वाग्रहों से दूर होकर निर्णय लेना
- वस्तुनिष्ठता - मेरिट पद्धति का संरक्षण
- भ्रष्टाचार न करना न करने देना
- प्रत्येक स्थिति में सत्यनिष्ठ बने रहना
- न्याय / विधि का शासन
- स्थिति स्पष्ट करना
- कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति

अभिवृत्ति एक छोटी चीज है जो बड़े बदलाव लाती है - विंस्टन चर्चिल

VisionIAS

4. (b) चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता सीमित सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन से संबंधित नैतिक निर्णयन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how emotional intelligence can influence ethical decision-making in the allocation of scarce public resources. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

स्वयं की भावनाओं को जानना तथा दूसरों की भावनाओं को जानते हुए उनका इस प्रकार प्रयोग करना कि उचित लक्ष्य की प्राप्ति हो सके

← पीटर सेलोवी एंड जान मेयर

सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन में E.I.

→ कमजोर वर्ग के हितों की रक्षा करना जैसे - महिला, दिव्यांग, वृद्ध इत्यादि

→ नियमों पर नैतिकता तथा न्याय को महत्व देना

जैसे - आरक्षण एक सकारात्मक भेदभाव का उदाहरण

→ कल्याणकारी राज्य की पूर्ति

जैसे - दंगो को रोकना

उदा॰ दिल्ली दंगों में

VisionIAS

→ सबका साथ सबका विकास ताकि प्रत्येक व्यक्ति के हित सधे सकें

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नैतिक निर्णयन के प्रभावित

- स्व-जागरूकता → अपने मनोभावों की जागरूकता
  उदा. पूर्वाग्रहों से मुक्ति
- स्व-विनियमन — अपनी भावनाओं पर नियंत्रण जैसे-
  जैन IAS officer द्वारा हिंदू के साथ
- सामाजिक जागरूकता जैसे- आपदा के समय
  उदा. हालिया वायनाड भू-स्खलन
- आत्म अभिप्रेरणा → स्वयं को दूसरों के लाभ हेतु प्रेरित करना
  जैसे - NFSA - 2013
- समानुभूति - कमजोर वर्गों के प्रति जैसे-
  मदर टेरेसा द्वारा स्वास्थ्य सुविधा

व्यक्ति के सफल होने में 20% योगदान सामान्य बुद्धिमता तथा 80% योगदान भावनात्मक बुद्धिमत्ता का होता है — डेनियल गोलमेन

www.visionias.in

VisionIAS

5. (a) विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन विश्व भर के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता प्रदान करते हैं। ऐसे संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कार्यों के मार्गदर्शक सिद्धांत कौन-से हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Various international humanitarian organizations provide emergency aid in conflict zones around the world. Highlight the ethical challenges faced by such organizations. What are the principles that guide international humanitarian work? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन - जीव-मात्र के प्रति दया रखते हुए विश्व भर के संघर्षरत क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता देते हैं जैसे- वर्ल्ड फूड प्रोग्राम द्वारा गाजा पट्टी के लोगों हेतु भोजन

सामना की जाने वाली नैतिक चुनौतियां

- राजनीतिक दबाव का भय जैसे इजरायल सरकार का गाजा पट्टी को घेरना
- अत्याचारी वर्ग का साथ न देने का डर - कई बार स्वयंसेवी ऐसे हत्या हो जाते हैं जैसे- भीड़ में हुए आतंकी
- धन सीमित सहायता - वित्तीय बोझ अधिक
- कार्यों की सही तारीफ नहीं

VisionIAS

मार्गदर्शक सिद्धांत

- मानवतावाद — मनुष्य के साथ-साथ समस्त चराचर का कल्याण
- रूसो का सामान्य इच्छा का सिद्धांत
- करुणा, दया, परोपकार की भावना
- औपनिवेशिक संस्कृति का परित्याग करना
- मानवीय मूल्यों की स्थापना
  जैसे - भोजन का अधिकार
- न्याय की अवधारणा
- कमजोर का साथ देना जैसे यूक्रेन युद्ध में
- भविष्य को उज्जवल बनाना
  जैसे - सूडान में

मानवता सभी धर्मों से ऊपर है इसलिए अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संस्थानों के कार्यों की सहायता देनी चाहिए

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. (b) अनुनय को सिविल सेवकों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल क्यों माना जाता है? गवर्नेंस में अनुनय को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is persuasion regarded as an important skill for civil servants? What are the key considerations that should guide persuasion in governance? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अनुनय का अर्थ है किसी व्यक्ति से संवाद करके उसके विचारों को बदलना

जैसे - महात्मा बुद्ध द्वारा अंगुलिमाल से अनुनय कर उसकी मां को बचाना

सिविल सेवकों के लिए महत्वपूर्ण कौशल

- समाज के विभिन्न वर्गों के साथ समानता का व्यवहार
- सामाजिक मनोवृति बदलना जैसे (पर्यावरण संरक्षण हेतु शिक्षा आदि)
- आपदा परिस्थितियों में नेतृत्व जैसे - बाढ़ के समय या दंगों के समय
- राजनीतिक रूप से तटस्थ रहना
- नियम, कानूनों की पालना हेतु जैसे - अनैतिक

VisionIAS

मामलों में राजनीतिक पार्टियों व आकाओं का अनुनय करना

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

गवर्नेंस में अनुनय को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार

- स्पष्ट संदेश जैसे - बच्चे दो ही अच्छे
- लक्षित श्रोता जैसे - वृद्ध वर्ग
- अनुनयकर्ता की विश्वसनीयता
  जैसे - प्रधानमंत्री मोदी द्वारा धारा-370 हटाना
- सामाजिक मूल्य व आकांक्षाएं
  जैसे - सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय
- सभी वर्गों के हितों का संरक्षण
  जैसे - दंगों के समय सभी हितधारकों से वार्ता करना

अनुनय एक महत्वपूर्ण उपकरण है जो बड़े बदलाव ला सकता है।

VisionIAS

6. (a) विशेष रूप से लोक सेवा में, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नैतिक नेतृत्व क्या भूमिका निभा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What role can ethical leadership play in curbing corruption, especially in public service? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अपने पदीय अधिकारों का उपयोग, सामाजिक हित में न करके निजी स्वार्थों को पूरा करने हेतु करना ही भ्रष्टाचार है
— चाणक्य

भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नैतिक नेतृत्व की भूमिका

- अच्छे उदाहरण पेश करना
  जैसे - IAS अशोक खेमका
- पारदर्शिता में वृद्धि
  जैसे - राजस्थान सरकार का जन सुनवाई अभियान
- पदीय कर्तव्यों की जिम्मेदारी लेना
  जैसे - लाल बहादुर शास्त्री द्वारा ट्रेन दुर्घटना
- भ्रष्टाचार रहित कार्य संस्कृति का पालन जैसे - डाक विभाग

VisionIAS

- रिश्वत न लेना, न देना न लेने देना तथा रिपोर्ट करना
  - जैसे - IAS रजनी सिब्बल द्वारा शिक्षक भर्ती घोटाला
- नैतिकता, कानून, नियम, संविधान को अधिक महत्व देना
  - जैसे - IAS दुर्गाशक्ति नागपाल द्वारा खनन माफिया के खिलाफ सख्त कार्यवाही
- निजी नैतिकता बनाये रखना
  - पूरे विभाग के भ्रष्टाचारी होने पर भी स्वयं की नैतिकता बनाये रखना
- उत्तरदायित्व, वस्तुनिष्ठता, तटस्थता खुलापन की संस्कृति को बढ़ावा

भ्रष्टाचार एक सामाजिक समस्या है जिसका निराकरण नैतिक नेतृत्व द्वारा ही किया जा सकता है

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

6. (b) स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख शिक्षाएं क्या थीं? वर्तमान समय में, भारत में विद्यमान नैतिक एवं सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What were the major teachings of Swami Dayanand Saraswati? Explain their relevance in addressing the current ethical and social challenges in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

19वीं सदी में स्वामी दयानंद सरस्वती एक महान समाज सुधारक हुए जिन्होंने अपने अथक प्रयासों से समाज में महत्वपूर्ण सुधार किये

स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख शिक्षाएं

- सबका साथ सबका विकास
- जीव-मात्र के प्रति दया
- वेदों का अध्ययन अर्थात शिक्षा का महत्व
- नारी स्वतंत्रता व समानता की शिक्षा
- मूल्यों से सुसज्जित समाज
- बालकों का स्वास्थ्य विकास

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रासंगिकता

- शैक्षिक स्तर को सुधारने हेतु
  - शिक्षा में नैतिक मूल्य शामिल करना
    जैसे- ईमानदारी
- महिला सम्मान व स्वतंत्रता
  - जैसे - घरेलू हिंसा का अंत
  - कन्या शिशु हत्या का अंत
- प्राचीन संस्कृति का महत्त्व समझना
  - जैसे- वेदों का ज्ञान
- बालकों का स्वस्थ विकास
  DPSP

इस प्रकार महात्मा स्वामी दयानंद की शिक्षाएँ आज भी प्रासंगिक है

www.visionias.in
VisionIAS

7. मरियम एक प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चयी इंजीनियर है। हाल ही में, उसे XYZ Corp में काम पर रखा गया था, जो कि मुख्य रूप से पुरुष कर्मचारियों वाली एक प्रसिद्ध विनिर्माण कंपनी है। यह नौकरी मरियम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इसमें उसे अच्छा वेतन प्राप्त होता है जिससे उसे और उसके परिवार को आर्थिक रूप से सहायता मिलती है।

प्रारंभ में मरियम अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित थी, लेकिन उसका उत्साह जल्द ही समाप्त हो गया, जब उसे कई सहकर्मियों द्वारा किए जाने वाले यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उत्पीड़न में उसके रूप-रंग के बारे में अनुचित टिप्पणियों से लेकर अवांछित प्रस्ताव और अश्लील संदेश शामिल थे। मरियम ने कई बार इन घटनाओं के बारे में अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक को भी सूचित किया, लेकिन पर्यवेक्षक ने उसकी चिंताओं को यह सुझाव देते हुए खारिज कर दिया, कि वह इन टिप्पणियों को हानिरहित मजाक और कार्यस्थल संस्कृति का हिस्सा समझे।

जैसे-जैसे उत्पीड़न निरंतर तीव्र हुआ, मरियम का कार्य-निष्पादन प्रभावित होने लगा। साथ ही, इससे उसके तनाव में भी निरंतर वृद्धि होती गई, वह लगातार तनाव में रहने लगी वह अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो गई तथा टीम मीटिंग और सहयोगियों वाले प्रोजेक्ट्स में असहज महसूस करने लगी। असुरक्षित कार्य परिवेश उसके मानसिक स्वास्थ्य और करियर की संभावनाओं पर भारी पड़ता जा रहा था।

करण उसका एक सहकर्मी है, जिसने मरियम के साथ ही XYZ Corp में जॉइन किया था। उसने मरियम के व्यवहार में परिवर्तन और अपने सहकर्मियों के अनुचित व्यवहार को नोटिस किया। वह और मरियम मित्र बन गए थे, वे अक्सर कार्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते थे और अपने प्रोजेक्ट में एक-दूसरे की सहायता करते थे। करण इस स्थिति के बारे में अत्यधिक चिंतित था लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि मरियम के लिए स्थिति को बदतर किए बिना कैसे हस्तक्षेप किया जाए।

एक दिन, मरियम को टीम के एक वरिष्ठ सदस्य से एक बेहद अपमानजनक संदेश प्राप्त हुआ, जिससे वह कई घंटों तक रोती रही। मरियम अत्यधिक व्याकुल अवस्था में ब्रेक रूम में बैठी थी, करण ने वहां जाकर उसे सांत्वना दी। उसके साथ हुए उत्पीड़न की पूरी कहानी सुनने के बाद, करण ने उसे POSH (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करने का सुझाव दिया। उसने बताया कि यह अधिनियम उसके जैसे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है और कंपनी कानूनी रूप से ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए बाध्य है।

हालांकि, प्रतिशोध और अपनी नौकरी जाने के भय से मरियम ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। उसने चिंता व्यक्त की कि उसे एक अशांति उत्पन्न करने वाले (Troublemaker) कर्मचारी के रूप में लेबल किया जा सकता है और इससे इंडस्ट्री में उसके भावी करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मरियम ने यह भी उल्लेख किया कि उसका परिवार उसकी आय पर निर्भर है और वह अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठा सकती।

करण को ज्ञात है कि POSH अधिनियम पीड़ित महिला की ओर से किसी अन्य व्यक्ति को भी शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है। वह स्वयं इस घटना की रिपोर्ट करने पर विचार कर रहा है। उसका मानना है कि मरियम और अन्य महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए असुरक्षित कार्य परिवेश को सही करने की आवश्यकता है। हालांकि, वह मरियम पर इसके पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंतित है, खासकर उसके आगे आने की अनिच्छा को देखते हुए।

यह स्थिति तब और जटिल हो गई, जब करण ने हाल ही में एक बातचीत सुनी जिसमें सुझाव दिया गया था कि XYZ Corp एक बड़े विस्तार की योजना बना रहा है, जिससे कर्मचारियों को पदोन्नति और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उसे चिंता है कि शिकायत दर्ज करने से न केवल मरियम की वर्तमान स्थिति बल्कि कंपनी के भीतर उसकी भविष्य की संभावनाएं भी खतरे में पड़ सकती हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

(a) मरियम की इच्छा के विरुद्ध घटना की रिपोर्ट करने का निर्णय लेने में करण द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा पर चर्चा कीजिए।
(b) करण के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। इनमें से उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों?
(c) यौन उत्पीड़न को रोकने और उसका समाधान करने तथा समावेशी कार्यस्थल परिवेश का निर्माण करने में XYZ Corp जैसे संगठनों की क्या ज़िम्मेदारियां हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Mariyam, a talented and driven engineer, was recently hired at XYZ Corp, a well-known manufacturing company with a predominantly male workforce. This job was a significant achievement for Mariyam, as it offered a good salary that supports her and her family financially.

Initially excited about her new role, Mariyam's enthusiasm quickly faded as she began experiencing sexual harassment from several colleagues. The harassment ranged from inappropriate comments about her appearance to unwanted advances and suggestive messages. Mariyam occasionally confided to her direct supervisor about these incidents, but he dismissed her concerns, suggesting she view these comments as harmless jokes and part of the workplace culture.

As the harassment continued and intensified, Mariyam's job performance began to suffer. She found herself constantly stressed, unable to concentrate on her work, and increasingly uncomfortable in team meetings and collaborative projects. The toxic work environment was taking a toll on her mental health and career prospects.

Karan, a colleague who joined XYZ Corp around the same time as Mariyam, noticed the change in her demeanor and the inappropriate behavior of their coworkers. He and Mariyam had become friends, often discussing work-related matters and supporting each other in their projects. Karan was deeply concerned about the situation but felt unsure about how to intervene without making things worse for Mariyam.

One day, Mariyam received an exceptionally offensive message from a senior team member, leaving her in tears for several hours. Karan found her in the break room, visibly distraught, and spent time consoling her. After hearing the full extent of the harassment she had been enduring, Karan suggested she file a complaint under the POSH (Prevention of Sexual Harassment) Act. He explained that the Act was designed to protect employees like her and that the company was legally obligated to address such complaints.

However, Mariyam, fearing retaliation and the potential loss of her job, refused to lodge the complaint. She expressed concerns about being labeled a troublemaker and worried that it might affect her future career prospects in the industry. Mariyam also mentioned that her family was dependent on her income, and she could not risk losing her job.

Karan is aware that the POSH Act permits lodging a complaint on behalf of the aggrieved woman. He is considering reporting the incident himself, believing that the toxic work environment needs to be addressed for the sake of Mariyam and other female employees. However, he is wary about the impact this may have on Mariyam, especially given her reluctance to come forward.

Adding to the complexity of the situation, Karan recently overheard a conversation suggesting that XYZ Corp is planning a major expansion, which could lead to promotions and new opportunities for employees. He worries that filing a complaint might jeopardize not only Mariyam's current position but also her future prospects within the company.

(a) Discuss the ethical dilemma Karan faces in deciding whether to report the incident against Mariyam's wishes.
(b) Evaluate the options available to Karan. Which of these options should he choose and why?
(c) What responsibilities do organizations like XYZ Corp have in preventing and addressing sexual harassment and creating inclusive workplace environments? (Answer in 250 words)20

VisionIAS

प्रस्तुत केस अध्ययन कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संबंधित है, जिसमें एक सहभागी द्वारा शिकायत दर्ज कराये जाने संबंधी दुविधा का सामना हो रहा है

ऐसे उदाहरण भारत में अक्सर देखे जाते हैं जैसे - हालिया कलकत्ता रेप मामला

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a) करण के सामने नैतिक दुविधा

(1) साधन - साध्य की पवित्रता का प्रश्न

└ साध्य - यौन उत्पीड़न रोकना

लेकिन साधन - मरियम से बिना पूछे शिकायत

(1) मत्स्यन्याय - शक्तिशाली द्वारा कमजोर का हनन

(2) अल्पकालिक उपाय बनाम दीर्घकालिक समाधान

└ अल्पकालिक उपाय - यौन उत्पीड़न हेतु शोर कदम उठाना

दीर्घकालिक समाधान - कार्य संस्कृति में बदलाव

(2) आजीविका बनाम सुरक्षा

└ मरियम की नौकरी से परिवार चलता

VisionIAS

(3) आचरण संहिता का पालन बनाम कानून का पालन
- कंपनी आचार संहिता + अपने काम से काम रखना
- कानून अन्याय को रिपोर्ट करना

(4) भेदभाव मूलक संस्कृति बनाम प्रमोशन
- करण इस भेदभाव की संस्कृति का विरोध करे या अपने प्रमोशन का इंतजार करे

(5) व्यक्तिगत हित बनाम सार्वजनिक हित
- यदि प्रमोशन तो व्यक्तिगत हित पूर्ति लेकिन शिकायत तो सार्वजनिक हित लेकिन व्यक्तिगत परेशानी का सामना

(B) करण के समक्ष उपलब्ध विकल्प

(1) विकल्प-1 — यथा स्थिति बनाए रखे

पक्ष	विपक्ष
व्यक्तिगत लाभ जैसे प्रमोशन	- तटस्थता लेकिन हानिकारक
- मालिक द्वारा स्वयं कोई मदद न करना	- भेदभाव मूलक संस्कृति को प्रोत्साहन
- मालिक को कोई वित्तीय हानि नहीं	- व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा व अंतरात्मा की मृत्यु
	- यौन उत्पीड़न में सहायता

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विकल्प-2 – प्रबंधन से बात करें तथा उन्हें मयिम की स्थिति व कार्यदशा समझायें

पक्ष	विपक्ष
① कार्य संस्कृति में सुधार	① व्यक्तिगत हानि का भय
② नैतिक दुविधा का अंत	② मयिम की सहमति का अभाव
③ मयिम का उत्पीड़न बंद	③ मयिम की आजीविका को खतरा
④ कंपनी की साख बचायेगा	

विकल्प-3 – इंटरनल कम्पलेन कमेटी व एक्सटर्नल कम्पलेन कमेटी को शिकायत दर्ज करवाना

पक्ष	विपक्ष
① मयिम का उत्पीड़न बंद	① कंपनी से निकाला जा सकता है।
② नैतिकता बनी रहेगी	② मयिम की आजीविका की हानि
③ दोषियों को सजा मिलेगी	③ उसका परिवार परेशानी में पड़ सकता है
④ कार्य-संस्कृति सुधार	

करण को दुसरा विकल्प चुनना चाहिए क्योंकि यह न्याय के शासन, साहस के अनुरूप है साथ ही कर्तव्यपूर्ति हो रही है और मयिम का उत्पीड़न बंद हो सकता है क्योंकि

VisionIAS

मामला आंतरिक शिकायत समिति के पास जाने का मप लेकिन यदि ऐसा नहीं होता तो उसे तीसरा विकल्प चुनना चाहिए ताकि अतंत: न्याय की स्थापना हो सके।

⑥ कार्पोरेट की जिम्मेदारियाँ

① आंतरिक शिकायत समिति का गठन
② महिला उन्मुख कार्य संस्कृति
③ भेदभाव मूलक संस्कृति का निराकरण
④ कार्यस्थल पर यौन अपराध संबंधी कानूनों का पालन व जागरूकता
⑤ महिलाओं के लिए अलग-सुविधाएं जैसे पृथक वाशरूम
⑥ ~~यौ~~ यौन उत्पीड़न के प्रति जीरो टालरेंस
⑦ यौन उत्पीड़न शिकायतों पर सहज व निष्पक्ष कार्यवाही
⑧ तकनीक का प्रयोग जैसे - CCTV, पैनिक बटन
⑨ महिलाओं के अलग से All women CAB
⑩ यदि महिला चाहे तो औपचारिक FIR व न्यायिक सहायता

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न महिलाओं को आर्थिक विकास में पीछे धकेलता है इसलिए कठोर कानून व इनके प्रभावी क्रियान्वयन द्वारा उत्पीड़न रोकने की आवश्यकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

8. जय एक सिविल सेवक है जिसे एक वर्ष पूर्व राज्य के शिक्षा विभाग में आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने शुरुआती महीनों में, उसने कई ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया, जिससे शिक्षा मंत्रालय के कामकाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे थे तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही थी, जो आगामी चुनावों में संबंधित मंत्री के लिए लाभकारी हो सकती थी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हालांकि, जय को अब एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अपनी जिम्मेदारियों के भाग के रूप में, उसे सरकारी स्कूलों के लिए नए शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी देनी होगी। उसे रिक्त पदों के लिए अनुशंसित 120 उम्मीदवारों की सूची प्राप्त हुई है, लेकिन उसे यह संदेह है कि भर्ती प्रक्रिया अनुचित थी। जय को कई शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि यह भर्ती प्रक्रिया योग्यता आधारित नहीं थी।

समीक्षा करने पर, जय को ऐसे साक्ष्य प्राप्त हुए जो यह स्पष्ट करते हैं कि सूची में कई नाम राजनीतिक संरक्षण का परिणाम हैं। राजनीतिक संरक्षण राज्य में एक प्रचलित मुद्दा है, जहां राजनेता राजनीतिक समर्थन प्राप्त करने के लिए भर्ती का उपयोग करते हैं। जय का मानना है कि चुनाव नजदीक होने के कारण शिक्षा मंत्री भी इस कार्य में संलग्न है।

यह स्थिति जय को एक पुरानी घटना की याद दिलाती है जब एक जूनियर अधिकारी के रूप में, उसने एक अनावश्यक खरीद अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप, उसे एक सप्ताह के भीतर ही स्थानांतरित कर दिया गया तथा उसे और उसके परिवार को बदले की कार्रवाई के रूप में तुच्छ भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा। उसके स्थान पर नियुक्त अधिकारी ने और भी उच्च दरों पर खरीद को मंजूरी दे दी।

जय अब इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा भर्ती को रोकने से ऐसे ही परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अलावा, उसे भय है कि यदि वह इस अनुचित भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ खड़ा होता है तो शिक्षा मंत्रालय में उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से शुरू की गई परियोजनाओं को समाप्त किया जा सकता है।

(a) शिक्षा विभाग के आयुक्त के रूप में जय के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए।

(b) जय को कौन-सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों?

(c) जय जैसे सिविल सेवकों को अपने दायित्वों के निर्वहन में नैतिक मानकों को बनाए रखने के प्रयास के दौरान बेहतर सुरक्षा कैसे प्रदान की जा सकती है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Jay, a civil servant, was appointed as the Commissioner in the state's Education Department a year ago. In his initial months, he implemented several policies and programmes that were transforming the Education Ministry's operations, gaining a good reputation that could potentially benefit the concerned minister in the upcoming elections.

However, Jay now faces a significant challenge. As part of his responsibilities, he must approve the recruitment of new teachers for government schools. He has received a list of 120 candidates recommended for vacant posts, but suspects the recruitment process was unfair. Jay had also received several complaints claiming that the process had not been meritocratic.

Upon review, Jay discovers evidence suggesting that many names on the list are the result of political patronage - a prevalent issue in the state where politicians use recruitment to gain political support. Jay believes the Education Minister is engaging in this practice as the election season approaches.

This situation reminds Jay of a past incident when, as a junior officer, he refused to entertain an unnecessary procurement request. Consequently, he was transferred within a week, and he and his family faced frivolous anti-corruption complaints as retaliation. His successor approved the procurement at even higher rates.

Jay is now concerned that blocking the current recruitment could lead to similar consequences. Moreover, he fears that the projects he personally initiated in the Education Ministry might be abandoned if he takes a stand against this unfair recruitment process.

VisionIAS

(a) What are the options available to Jay as the Commissioner of the Education Department? Evaluate each of these options.

(b) What option should Jay adopt and why?

(c) How can civil servants like Jay be better protected when they attempt to uphold ethical standards in their work? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रस्तुत केस अध्ययन भ्रष्टाचार तथा ~~सय~~ अनैतिक राजनैतिक संरक्षण का है, जिसमें एक परीक्षा भर्ती में त्रुटियों की संभावना है।

└ भारत में पिछले कुछ समय में पेपर लीक की घटनाएं घट चुकी हैं
जैसे - नीट पेपर, रीट (राजस्थान)

(a) जय के पास विकल्प

विकल्प-1 → शिकायतों पर ध्यान न दें तथा यथास्थिति बनाये रखें

गुण	दोष
① पुनः परीक्षा का जोखिम नहीं	① मेरिट पद्धति का उल्लंघन
② राजनीतिक वर्ग द्वारा अन्यथा दबाव नहीं	② देश के भविष्य के साथ खिलवाड़
	③ गलत प्रथाएं पेश करना

विकल्प-2 – निष्पक्ष जांच करवायें तथा तदनुसार कार्यवाही करें

VisionIAS

पक्ष	विपक्ष
① मेरिट पद्धति का संरक्षण	① राजकोषीय दबाव बढ़ सकता है
② नैतिक दुविधा का अंत	② राजनीतिक दबाव की संभावना
③ वास्तविक अभ्यर्थियों को न्याय मिलेगा	③ शैक्षिक कार्यक्रमों में विलंब की संभावना

विकल्प-3 – उच्च अधिकारियों को सूचित करें तथा उनसे मार्गदर्शन लें

गुण	दोष
① उच्च अधिकारियों को स्थिति का पता	① हो सकता है उच्च अधिकारी भी प्रकरण में लिप्त हों
② नैतिक दुविधा का अंत करने में सहायता	② नेतृत्व कौशल जैसे गुणों का अभाव दर्शाता है

विकल्प-4 – परीक्षा रद्द कर दें तथा नई परीक्षा करवाई जाये

गुण	दोष
① मेरिट पद्धति संरक्षित	① व्यक्तिगत कार्यक्रमों को नुकसान का भय
② अपने द्वारा किये गये कार्यों से आत्मिक संतुष्टि	② राजनीतिक दबाव
	③ राजकोषीय दबाव बढ़ सकता है

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(B) जम को <u>विकल्प - 2</u> अपनाना चाहिए

<u>क्योंकि</u>

└ नैतिक मूल्यों के अनुरूप जैसे तटस्थता, वस्तुनिष्ठता

└ <u>उपयोगितावादी सिद्धांत</u> के अनुरूप अधिकांश लोगों का अधिकतम भला

↳ <u>न्याय के शासन</u> की स्थापना (जॉन रॉल्स)

↳ <u>मेरिट पद्धति</u> का संरक्षण

↳ <u>दार्शनिक राजा</u> का कर्तव्य (प्लेटो)

└ आवेश में नहीं विवेक से काम

└ यदि जांच में नकल जैसी स्थिति पाई जाए तो परीक्षा रद्द करवा के नई परीक्षा अन्यथा वर्तमान परीक्षा को ही स्वीकृति

└ <u>राजकोषीय दबाव</u> नहीं पडेगा (लोक निधि का उत्तम उपयोग)

└ नैतिक दुविधा का अंत

यह विकल्प सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प है क्योंकि इसमें किसी भी पक्ष के साथ कोई अन्याय नहीं हो रहा है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(c) बेहतर सुरक्षा हेतु उपाय

① कार्यकाल की सुरक्षा - न्यूनतम 2 वर्ष का कार्यकाल (ARC-2nd)

② सिविल सेवा बोर्ड का गठन (होता समिति)

③ स्थानांतरण के लिए सिविल सेवा बोर्ड द्वारा स्वीकृति

④ मिड करियर रिव्यू तथा 360° निष्पादन मूल्यांकन ताकि बेहतर कार्य करने वाले सिविल सेवकों को प्रोत्साहन मि

⑤ अनुचित स्थानांतरण पर बहाली (सुरेंद्र नाथ समिति)

⑥ आचरण संहिता एवं नीति संहिता का अक्षरशः पालन

⑦ इंटीग्रिटी पैक्ट ताकि राजनीतिक गैर-निष्पक्षता बनी रहे तथा राजनीतिक लाभ हेतु स्थानांतरण न हो।

सिविल सेवक देश के प्रशासन की रीढ़ की हड्डी है, इन्हें कार्यस्थल पर बेहतर सुरक्षा 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु अत्यंत आवश्यक है।

VisionIAS

9\. X शहर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपको शहरी वन क्षेत्र में एक नए मेट्रो डिपो के निर्माण की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है, जो सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने और यातायात की भीड़ एवं वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजना है। हालांकि, इस परियोजना के लिए वन के एक बड़े हिस्से को साफ करने की आवश्यकता है, जिसका पर्यावरण कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों और गैर-सरकारी संगठनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। इस वन को प्रायः शहर के "फेफड़े" के रूप में संदर्भित किया जाता है और शहर के पारिस्थितिक संतुलन के लिए व्यापक रूप से आवश्यक माना जाता है।

पर्यावरण संबंधी चिंताओं के अलावा, दो वर्ष में होने वाले आगामी चुनावों को देखते हुए, परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर राजनेताओं की ओर से भी आप पर काफी दबाव है। राजनीतिक नेतृत्व शहर के विकास हेतु मेट्रो परियोजना के लाभों और चुनावी समर्थन प्राप्त करने की इसकी क्षमता पर बल दे रहा है।

इस परियोजना से हजारों यात्रियों के लिए यात्रा का समय उल्लेखनीय रूप से कम होने और शहर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में संभावित कमी आने की उम्मीद है। हालांकि, इससे हजारों वृक्षों की क्षति भी होगी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र बाधित होगा।

जब आप कोई निर्णय लेने की तैयारी करते हैं, तो आप जानते हैं कि आपके निर्णय के शहर के विकास और उसके पर्यावरण, दोनों पर दूरगामी परिणाम होंगे।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाओं की पहचान कीजिए।
(b) उपर्युक्त स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से किस विकल्प को चुनेंगे और क्यों?
(c) भविष्य की परियोजनाओं में शहरी विकास संबंधी आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As the District Magistrate of X city, you are responsible for overseeing the construction of a new metro depot in an urban forest area, which is a critical infrastructure project aimed at improving public transportation and reducing traffic congestion and air pollution. The project, however, requires the clearance of a substantial portion of the forest, which has triggered strong opposition from environmental activists, local residents, and NGOs. This forest is widely regarded as essential for the city's ecological balance, often referred to as the city's "lungs."

In addition to the environmental concerns, you are under considerable pressure from politicians at the state-level to expedite the project, given the upcoming elections in two years. The political leadership emphasizes the benefits of the metro project for the city's development and its potential to garner electoral support.

The project is expected to significantly reduce travel time for thousands of commuters and potentially decrease overall vehicle emissions in the city. However, it would also lead to the loss of thousands of trees and disrupt local ecosystems.

As you prepare to make a decision, you are aware that your choice will have far-reaching consequences for both the city's development and its environment.

(a) Identify the ethical dilemmas involved in the above case.
(b) Evaluate the options available to you in the above situation. Which of these would you choose and why?
(c) Suggest some measures that could be implemented to balance urban development needs with environmental conservation in future projects. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

प्रस्तुत केस अध्ययन पर्यावरणीय क्षति पर आर्थिक विकास को दर्शाता है। वर्तमान में ऐसे अनेक प्रोजेक्ट हैं जिसमें ऐसा प्रदर्शित होता है, जैसे - अमेज़न वनों को काटना

(a) नैतिक दुविधायें

(1) पर्यावरणीय क्षति बनाम आर्थिक विकास

└ यद्यपि रोजगार बढ़ेंगे, समय में बचत होगी लेकिन पर्यावरण की अपूर्ण क्षति

(2) अल्पकालिक लाभ बनाम दीर्घकालिक हानि

└ राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति या शहर के फेफड़े खराब

(3) अधिकारों का उल्लंघन बनाम कल्याण की अवधारणा

└ A-21 - स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार का उल्लंघन

└ मेट्रो डिपो से मानवीय कल्याण

(4) कानूनों का उल्लंघन लेकिन समय से प्रभावी बचाव

└ FRA- 2006 - वन में रहने वालों के अधिकार

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

⑤ साधन साध्य की पवित्रता

↳ साध्य - मानव कल्याण लेकिन
साधन - वनस्पति ह्रास

⑥ राजनीतिक दबाव बनाम नैतिक निर्णय

Ⓑ उपलब्ध विकल्प

[विकल्प - 1] - प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दे

पक्ष	विपक्ष
- आगामी समय में कमी	→ दीर्घकालिक हानि
- राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति	- विरोध का सामना
- वाहनों का उत्सर्जन कम	→ वन्यजीवों के अधिकार उल्लंघन

[विकल्प - 2] - सभी हितधारकों से बात करना, वैकल्पिक तकनीक या अन्य साधनों की तलाश करना

पक्ष	विपक्ष
① पर्यावरणीय क्षति का भय नहीं	① राजनीतिक दबाव का बढ़ना
② निष्पक्ष वार्ता	② प्रोजेक्ट लागत बढ़ने का भय
③ सभी हितधारकों के पक्ष सुनना	

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

VisionIAS

विकल्प-3 - प्रोजेक्ट रद्द करना

पक्ष	विपक्ष
① पर्यावरण संरक्षण	① अवसर्जन बढ़ने की संभावना
② जन विद्रोह की संभावना शून्य	② यात्रा समय बढ़ना
③ स्वच्छ वातावरण के अधिकार का समर्थन	③ राजनीतिक दबाव का भय

(B) मैं विकल्प-2 का चयन करूंगा क्योंकि

① सभी हितधारकों को अपना पक्ष रखने का मौका

② वैकल्पिक भूमि से पर्यावरणीय क्षति का भय नहीं

③ पर्यावरणीय नैतिकता के अनुसार

④ यदि पास में ही भूमि मिलती है तो यात्रा समय व राजनीतिक दबाव भी नहीं

⑤ जन विद्रोह की आशंका नहीं

⑥ सार्वजनिक परिवहन में सुधार व वायुप्रदूषण का लक्ष्य संभव

मैं ऐसा इसलिए करूंगा क्योंकि यह All-win-win स्थिति है। तथा न्याय के शासन की स्थापना व लोककल्याण को महत्व देती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(c) शहरी विकास संबंधी आवश्यकता और पर्यावरण संरक्षण संतुलन हेतु उपाय

- ① नियोजित शहरीकरण - Planned
  अवसंरचना विकास जिससे पर्यावरण को हानि न हो
- ② ग्रीन-ब्लू इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे - स्पंज सिटी, Bio Swales
- ③ शहरी वनों का निर्माण, जैसे मियावाकी मैथड से
- ④ 3R पालिसी Reduce, Recycle, Reuse ताकि प्रदूषण कम हो
- ⑤ स्वच्छता का इंदौर मॉडल अपनाना
- ⑥ ECOWAS संहिता के अनुसार कार्य करना
- ⑦ वैज्ञानिक शोध ताकि दोनों साथ-साथ
- ⑧ आर्द्रभूमियों का पुनरुद्धार

शहरीकरण व पर्यावरण दोनों आवश्यक है इसलिए उचित उपाय अपनाते हुए शहरी विकास को बढ़ावा देना चाहिए ताकि पर्यावरणीय हानि न हो

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10. डॉ. मेहरा भारत की एक अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनी में वरिष्ठ ड्रग डेवलपर हैं, जो चिरकालिक और दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं सहित विभिन्न दवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही, कंपनी ने अपनी दवाओं की गुणवत्ता और वहनीयता पर बल दिया है।

हाल ही में, संशोधित सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत, फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए सामग्रियों (Ingredients) पर परीक्षण से "संतोषजनक परिणाम" प्राप्त करने के बाद ही तैयार उत्पाद का विपणन करने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दवाओं के किसी बैच के बार-बार परीक्षण या सत्यापन के लिए मध्यवर्ती और अंतिम उत्पादों, दोनों के पर्याप्त मात्रा में नमूने रखने होंगे।

डॉ. मेहरा की टीम एक दुर्लभ लेकिन जानलेवा रोग के लिए एक नई दवा विकसित करने के अंतिम चरण में है। नैदानिक परीक्षणों में इस दवा के आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। हालांकि, दवा के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अनसुलझी चिंताएं विद्यमान हैं, जो परीक्षण में शामिल विषयों में अत्यधिक कम प्रतिशत के रूप में देखी गई हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने पिछले एक दशक में कोई भी महत्वपूर्ण दवा जारी नहीं की है, जिससे बोर्ड के सदस्यों की ओर से दवा की रिलीज़ में तेज़ी लाने के लिए काफी दबाव है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
(b) डॉ. मेहरा द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
(c) उपर्युक्त प्रकरण में डॉ. मेहरा के पास उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Dr. Mehra is a senior drug developer at a leading pharmaceutical company in India, renowned for producing various medications, including lifesaving drugs critical for treating chronic and rare diseases. Since its inception, the company has emphasized the quality and affordability of its drugs.

Recently, under revised government guidelines, pharmaceutical companies are required to market a finished product only after obtaining "satisfactory results" from tests on the ingredients. Additionally, they must retain a sufficient quantity of samples of both intermediate and final products to allow repeated testing or verification of a batch.

Dr. Mehra's team is in the final stages of developing a new medication for a rare but life-threatening disease. This drug has shown promising results in clinical trials. However, there have been unresolved concerns about the long-term side effects of the drug, observed in a small percentage of trial subjects. Despite this, the company has not released any major drug in the past decade, leading to significant pressure from the board members to expedite the drug's release.

(a) Identify the stakeholders in the above case study.
(b) Discuss the ethical issues faced by Dr. Mehra.
(c) Analyse the options available to Dr. Mehra in the above case. Which of these would you choose and why? (Answer in 250 words) 20

प्रस्तुत केस अध्ययन मानव कल्याण हेतु दवा जारी करना लेकिन इसके नैदानिक परीक्षण की त्रुटियों संबंधी चिंताओं से है।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(अ) हितधारक

(1) डॉ. मेहरा → वरिष्ठ ड्रग डेवलपर
\ पूरा अनुसंधान इनकी मेहनत पर टिका हुआ है।

(2) कंपनी → पिछले एक दशक में कोई महत्वपूर्ण दवा जारी नहीं
सफलता का दबाव
प्रतिस्पर्धा

(3) दुर्बल रोग से ग्रस्त रोगी → इनका जीवन इस दवा की आशा पर
यदि दवा को मंजूरी नहीं तो जीवन हानि की संभावना

(4) सरकार → नियम - कानून बनाने के लिए जिम्मेदार
DPSP के अनुसार कल्याणकारी राज्य

(5) व्यापक तौर पर समाज → दवा के निर्माण से असामाजिक लाभ होना
अमूल्य मानव जीवन का संरक्षण

VisionIAS

⑤ नैतिक मुद्दे

① सफलता का दबाव → डॉ. मेहरा पर दवा को सफल बनाने हेतु

② जीवन का अधिकार - A.21 - गुणवत्तापूर्ण जीवन का अधिकार का संरक्षण

③ दीर्घकालिक प्रभाव बनाम अल्पकालिक लाभ
- दवा बनने से भविष्य में रोग से सुरक्षा
- यदि बिना वैज्ञानिक परीक्षण दवा जाती तो अभावह परिणाम की आशंका

④ विश्वासघात का भय → यदि वैज्ञानिक परीक्षणों में पक्षपात हो

⑤ व्यक्तिगत हित बनाम सामाजिक हित
- व्यक्तिगत हित हेतु दवा जल्द जारी करना लेकिन त्रुटि होने से दुर्लभ रोगी ग्रस्त होंगे

⑥ साधन साध्य पवित्रता
- मानव कल्याण हेतु उपयुक्त साधनों अर्थात वैज्ञानिक परीक्षण कार्यप्रणाली

(६) डॉ. मेहरा के पास विकल्प

विकल्प-1 - बिना परीक्षण के दवा जारी करना

पक्ष	विपक्ष
① कंपनी को वित्तीय लाभ	① कानूनों की अवहेलना
② मि. मेहरा को व्यक्तिगत लाभ, प्रतिष्ठा.	② दुष्प्रभावों की चिंता
	③ जीवन जाने का भय

विकल्प-2 उचित परीक्षण को प्राथमिकता देना तथा दवा जारी न करना

गुण	दोष
① कानून का पालन	① कंपनी पर वित्तीय दबाव पड़ना
② नैतिकता के अनुरूप	② कंपनी बोर्ड का डा. मेहरा पर व्यक्तिगत दबाव
③ डा. मेहरा व कंपनी की साख को हानि नहीं	③ दुर्लभ रोगियों के जीवन का प्रश्न

(४)

विकल्प-3 - कंपनी डायरेक्टर्स से बात करना तथा उचित परीक्षण के उपरांत ही दवा जारी करना

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin
VisionIAS

पक्ष	विपक्ष
(1) नैतिकता का पालन	(1) वैज्ञानिक परीक्षण में संभावित समस्या ज्ञात नहीं
(2) वैज्ञानिक परीक्षण पूर्ण	(2) जीवन का अधिकार ^ दुर्लभ रोगी
(3) कंपनी की साख यथावत रहना	(3) कंपनी की वित्तीय व्यावहारिकता
(4) अनैतिक इच्छा नहीं	

डॉ. मेहरा को तीसरा विकल्प अपनाना चाहिए क्योंकि

(1) वैज्ञानिक परीक्षण अंतिम चरण में और सफल होने को उन्मुख है

(2) कंपनी अन्य उपायों से वित्तीय जोखिम को दूर कर सकती है

(3) नैतिकता के नियमों के अनुसार है

(4) लोककल्याण तथा उपयोगितावाद के अनुरूप

वैज्ञानिक परीक्षण के उपरांत ही दवा जारी की जानी चाहिए ताकि व्यापक जन लाभ हो व हानि की संभावना न्यूनतम हो।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

11. आपको राज्य शहरी विकास विभाग में अंडर सेक्रेट्री के पद पर नियुक्त किया गया है। विभाग को एक प्रतिष्ठित परियोजना का कार्य सौंपा गया है जिसका उद्देश्य शहरों की अत्यधिक ऐतिहासिक महत्त्व वाली अवसंरचना को पुनर्जीवित करना है। इस परियोजना के बारे में आप बेहद उत्साहित हैं, जिसमें सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण करना, विरासत भवनों का जीर्णोद्धार करना और शहर के सांस्कृतिक पहलू को संरक्षित करते हुए हरित स्थान का सृजन करना शामिल है।

इस अवसर से उत्साहित होकर, आपने कई सप्ताह तक शोध करके एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया। आपकी योजना में संधारणीय विकास, सामुदायिक जुड़ाव और शहरी नियोजन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए अभिनव विचार शामिल थे। आपने अपने सहयोगियों को प्रेरित करने और परियोजना को गति देने की आशा से विभागीय बैठक में ये प्रारंभिक योजनाएं प्रस्तुत कीं।

हालांकि, आपके उत्साह को उदासीनता का सामना करना पड़ा। आपके सहयोगियों ने बहुत कम रुचि दिखाई तथा वे परियोजना के लिए विचारों या प्रयासों का योगदान करने में विफल रहे। चिंतित होकर, आपने अपने वरिष्ठ को उत्साह की कमी की सूचना दी, जो इस परियोजना के प्राधिकारी भी हैं। आपकी निराशा के लिए, वे भी उतना ही उदासीन लग रहे थे, उन्होंने सहजता से उल्लेख किया कि वे छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और इस परियोजना की अवधि अधिक लंबी है।

परियोजना को सफल होते देखने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, आपने इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पिछले दो महीनों से, आप अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने के अवसरों का त्याग करते हुए, दिन में 12 घंटे से अधिक, अक्सर देर रात तक काम कर रहे हैं। आपका समर्पण इस परियोजना की शहर के निवासियों के जीवन को बदलने और भावी पीढ़ियों के लिए शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की क्षमता में आपके विश्वास से प्रेरित है।

परियोजना के दो महीने बाद मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाती है। बैठक के दौरान, विभिन्न क्षेत्रकों के विभाग प्रमुख वर्तमान में जारी और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए उपस्थित होते हैं। जब शहरी पुनरुद्धार परियोजना प्रस्तुत करने का समय आता है, तो आपका बॉस अथवा वरिष्ठ खड़ा हो जाता है। आपको आश्चर्य होता है कि वह आपके ड्राफ्ट प्रस्ताव को अपने काम के रूप में प्रस्तुत करता है और नवीन विचारों एवं व्यापक योजना का सारा श्रेय ले लेता है।

जब आप वहां बैठे हुए अपने वरिष्ठ को आपकी कड़ी मेहनत को अपना बताते हुए सुनते हैं, तो आप क्रोध, निराशा और मनोबल की कमी को संयुक्त रूप से महसूस करते हैं। यह घटना न केवल आपके प्रयासों को कमजोर करती है बल्कि आपको ऐसी कार्य संस्कृति में अपने समर्पण के मूल्य पर भी प्रश्न उठाने के लिए विवश करती है जो सहयोग का समर्थन नहीं करती है या व्यक्तिगत योगदान को मान्यता नहीं देती है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त कार्य संस्कृति कार्यस्थल पर मनोबल और उत्पादकता को किस प्रकार प्रभावित करती है?

(c) आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं और आप इस स्थिति का समाधान किस प्रकार करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have been appointed as the Under Secretary in the State Urban Development Department. The Department has been tasked with a prestigious project aimed at revitalizing the infrastructure of a city with deep historical significance. This project, which you are extremely passionate about, involves modernizing public transportation, restoring heritage buildings, and creating green spaces while preserving the city's cultural essence.

Excited by the opportunity, you spent weeks researching and drafting a comprehensive proposal. Your plan included innovative ideas for sustainable development, community engagement, and leveraging technology for urban planning. You presented these initial plans in a departmental meeting, hoping to inspire your colleagues and kickstart the project.

However, your enthusiasm was met with indifference. Your colleagues showed little interest, failing to contribute ideas or efforts towards the project. Concerned, you reported this lack of enthusiasm to your immediate superior, who is also the authority for this project. To your dismay,

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

he seemed equally indifferent, casually mentioning that he is set to retire in six months and that the project has a long gestation period.

Determined to see the project succeed, you took it upon yourself to drive it forward. For the past two months, you have been working more than 12 hours a day, often late into the night, sacrificing time with your family. Your dedication is driven by your belief in the project's potential to transform the lives of the city's residents and preserve its rich heritage for future generations.

Two months into the project, a review meeting is called by the Chief Secretary. During the meeting, Department heads from various sectors are present to discuss ongoing and upcoming projects. When it is time to present the urban revitalization project, your boss stands up. To your shock, he presents your draft proposal as his own work, taking all the credit for the innovative ideas and comprehensive planning.

As you sit there, listening to your superior claim your hard work as his own, you feel a mix of anger, disappointment, and demoralization. This incident not only undermines your efforts but also leaves you questioning the value of your dedication in a work culture that does not seem to support collaboration or recognize individual contributions.

(a) Discuss the ethical issues involved in this case.
(b) How does the above-mentioned work culture affect workplace morale and productivity?
(c) What are the options available to you and how would you address the situation? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रस्तुत केस अध्ययन महात्मा गांधी के सिद्धांतो के अनुसार बौद्धिक चोरी का है जहां एक व्यक्ति अपने कनिष्ठ के कार्यों का श्रेय ले रहा है।

(a) नैतिक मुद्दे

(1) बौद्धिक चोरी → किसी और के कार्यों का श्रेय लेना

(2) विखंडित कार्य संस्कृति → कनिष्ठों तथा वरिष्ठों द्वारा उदासीनता दिखाना

VisionIAS

(3) विश्वासघात एवं अन्याय – वरिष्ठ द्वारा मेरे साथ किया गया

(4) अल्पकालिक लाभ लेकिन दीर्घकालिक हानि – चूंकि वरिष्ठ को संपूर्ण प्रोजेक्ट की जानकारी नहीं

(5) शोषणमूलक प्रथाएं – वरिष्ठ द्वारा किया गया शोषण

(6) समानता के अधिकार का हनन

(7) वर्क लाईफ बेलेंस – 12-12 घंटे काम करना, परिवार को महत्व न देना

(B) ऐसी कार्य संस्कृति द्वारा मनोबल व उत्पादकता पर प्रभाव

(1) यह कर्मचारियों का हौसला तोड़ देती है

(2) अन्याय की प्रथाएं कर्मचारियों को रोकती है।

(3) नवाचार की संस्कृति को अंत करना (कोई कर्मचारी नवाचार

www.visionias.in
उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin
VisionIAS

नहीं अपनायेगा।

(4) <u>गोपनीयता को बढ़ावा</u> → कर्मचारी अपनी योजनाएं गुप्त रखने लग जाते हैं

(5) <u>आत्म अभिप्रेरणा की कमी</u>

(6) यह संस्था को <u>पीछे की ओर धकेलती है</u>

(7) <u>विश्वास का अभाव बनना</u>

(E) विकल्प व समाधान

विकल्प-1 – <u>कोई कार्यवाही न करना</u>

पक्ष	विपक्ष
(1) सेवानिवृत्त होने वाले वरिष्ठ का कोई असर नहीं	(1) अन्याय को बढ़ावा
(2) सार्वजनिक कार्यों में रुकावट नहीं	(2) कायरता का प्रदर्शन
	(3) अनुचित प्रथाओं को बढ़ावा

विकल्प-2 - वरिष्ठ व बॉस से वार्ता करना तथा उन्हें अपने अनुचित व्यवहार हेतु स्पष्टीकरण मांगना

पक्ष	विपक्ष
(1) कार्यों का वेग मिलना	(1) वरिष्ठों से संबंध बिगड़ सकते हैं

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

VisionIAS

④ न्याय की अवधारणा का पालन | ② व्यक्तिगत हानि हो सकती है

विकल्प - 3 → मुख्य सचिव को सबूतों के साथ सब कुछ बता देना

पक्ष	विपक्ष
① अन्याय मूलक संस्कृति का खात्मा	① व्यक्तिगत अंतरात्मा को दुविधा
② वरिष्ठों को अपने कृत्यों की जवाबदेही	② कार्यस्थल पर विरोध मूलक संस्कृति
③ अपने हक के लिए लड़ना ही धर्म	

मेरे द्वारा विकल्प - 2 को चुना जायेगा क्योंकि यह नैतिकता के अनुसार है तथा वरिष्ठों व क्लाइंट को अपने कृत्यों हेतु एक मौका देना है लेकिन यदि वे नहीं समझते तो मुख्य सचिव को स्पष्ट रूप से बताना ही नैतिकता है।

"बौद्धिक चोरी रोकने हेतु अभिवृत्तिक परिवर्तन की आवश्यकता है ताकि वास्तविक हितधारक को उसके कार्य का श्रेय मिले।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin
VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

12. अरुण अपनी सत्यनिष्ठा और समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में, उसने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अधीक्षक की भूमिका संभाली है। यह पोस्टिंग, केवल एक वर्ष में उसकी चौथी पोस्टिंग है, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की देखरेख की जिम्मेदारी शामिल है। अपने नए पद पर अरुण को एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि, जो इस क्षेत्र के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है, के निकट स्थित एक तांबा प्रगलन संयंत्र के बारे में पता चलता है।

उस संयंत्र के भारी प्रदूषण कर्ता के रूप में कुख्यात होने के बावजूद, अध्यक्ष द्वारा अरुण को प्रस्तुत किया गया वर्तमान EIA, आर्द्रभूमि पर इससे किसी गंभीर प्रभाव को नहीं दर्शाता है। अगले दो वर्षों के लिए कोई अन्य आकलन निर्धारित नहीं किया गया है।

एक दिन, अरुण को विपक्षी दल से जुड़े एक राजनेता से एक पत्र प्राप्त होता है। इस पत्र में ऐसे साक्ष्य हैं जो बताते हैं कि वर्तमान EIA परिणाम फ़र्जी प्रयोगशाला रिपोर्टों पर आधारित हैं, जिन्हें कथित तौर पर अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया है। अध्यक्ष के सत्तारूढ़ दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिसे संयंत्र के संचालकों से पर्याप्त दान प्राप्त होता रहा है।

विपक्षी राजनेता ने अरुण से विभाग के अंदर से ही अध्यक्ष को बेनकाब करने का आग्रह किया और यह तर्क दिया कि यह दृष्टिकोण प्रभावी रूप से सरकार पर एक नया EIA आयोजित करने के लिए दबाव डाल सकता है। वह अरुण से वादा करता है कि उनके दल के सत्ता में आने, जिसकी हालिया जनमत सर्वेक्षणों में संभावना व्यक्त की गई है, पर उसे महत्वपूर्ण पुरस्कार और समर्थन मिलेगा।

यद्यपि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य प्रभावशाली हैं, लेकिन अरुण राजनीतिक मोहरे के रूप में शोषण किए जाने की संभावना के बारे में भी सतर्क है। वह अपने कार्यों के संभावित परिणामों, उसके करियर और पर्यावरण दोनों के लिए, के बारे में पूरी तरह से अवगत है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट, राजनीतिक और नौकरशाही के हितों के बीच गठजोड़ से उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) एक कर्तव्यनिष्ठ सिविल सेवक के रूप में, अरुण के पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Arun, renowned for his integrity and dedication, has recently assumed the role of Superintendent at a state Pollution Control Board. This posting, his fourth in just one year, includes the responsibility of overseeing Environmental Impact Assessments (EIAs). In his new position, Arun becomes aware of a copper smelting plant situated near a crucial wetland that serves as the primary water source for the region.

Despite the plant's notorious reputation for heavy pollution, the current EIA, presented to Arun by the Chairperson, indicates no significant impact on the wetland. The next assessment is not scheduled for another two years.

One day, Arun receives a letter from a politician affiliated with the opposition party. The letter contains evidence suggesting that the current EIA results are based on falsified lab reports, allegedly approved by the Chairperson. The Chairperson is known to have close ties with the ruling party, which has been receiving substantial donations from the plant's operators.

The opposition politician urges Arun to expose the Chairperson from within the department, arguing that this approach could effectively pressurize the government to conduct a new EIA. He promises Arun significant rewards and support once their party comes to power, an outcome suggested by recent opinion polls.

While the evidence presented is compelling, Arun remains cautious about the possibility of being exploited as a political pawn. He is acutely aware of the potential consequences of his actions, both for his career and for the environment.

VisionIAS

(a) In light of the above case, discuss the ethical issues that may arise from the nexus between corporate, political, and bureaucratic interests.

(b) As a conscientious civil servant, evaluate the options available to Arun. Which option should he choose and why?(Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रस्तुत केस अध्ययन अपने प्रशासनिक शक्तियों को छिपाने तथा अनुचित लाभ प्राप्त होने से संबंधित है साथ ही क्रोनी कैपिटलिज्म का मुद्दा भी प्रमुख है

नैतिक मुद्दे

(1) पर्यावरण संरक्षण → आर्द्रभूमि का क्षरण होना

(2) कानूनों की अवहेलना → आर्द्रभूमि संरक्षण अधिनियम - 2017 की अवहेलना

(3) मानवाधिकारों का उल्लंघन - A.21 - स्वस्थ पर्यावरण का अधिकार

(4) क्रोनी कैपिटलिज्म - अध्यक्ष द्वारा संपत्ति मालिक से संबंध

(5) विश्वास घात - वर्तमान EIA संबंधी समस्या

VisionIAS

⑥ जिम्मेदारी से विमुख होना

↳ फर्जी प्रयोगशाला द्वारा

⑦ अनुचित राजनीतिक लाभ की आशंका

↳ विपक्ष द्वारा सत्ता में आने पर

⑧ राजनीतिक मोहरे के रूप में शोषण का भय

⑨ करियर संबंधी चिंताएं – एक वर्ष में चौथा स्थानांतरण होना

(B) उपलब्ध विकल्प

विकल्प-1 – EIA प्रोजेक्ट को मंजूरी देना

पक्ष	विपक्ष
① व्यक्तिगत हानि नहीं	① साक्ष्यों के होते हुए भी अनदेखा करना अनैतिक
② आगे स्थानांतरण का भय नहीं	② कारणों की अवहेलना
	③ पर्यावरण प्रदूषण में अप्रत्यक्ष सहयोग

विकल्प-2 – प्रोजेक्ट मंजूरी न देना तथा निष्पक्ष व स्वतंत्र जांच करवाना

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

पक्ष	विपक्ष
(1) न्याय का शासन	(1) कुख्यात मालिक का भय
(2) वास्तविक स्थिति का पता चलना	(2) व्यक्तिगत क्षति का भय होना
(3) पर्यावरण संरक्षण	
(4) कानून अनुपालना	
(5) तटस्थता व वस्तुनिष्ठता	

विकल्प → - विपक्षी दलों का ऑफर स्वीकार करना तथा EIA रिपोर्ट को अस्वीकार करना

पक्ष	विपक्ष
(1) पर्यावरण संरक्षण	(1) तटस्थता व वस्तुनिष्ठता खतम
(2) दोषियों को सजा	(2) गैर-पक्षधारिता का उल्लंघन
(3) अधिकारों तथा कानूनों का संरक्षण	(3) व्यक्तिगत नैतिकता खतम
	(4) अनुचित लाभ होना

अरुण को दूसरा विकल्प चुनना चाहिए

क्योंकि

(1) अनुचित लाभ की आशंका नहीं

(2) वस्तुनिष्ठ एवं तटस्थ विकल्प

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin
VisionIAS

③ पर्यावरण संरक्षण का मूल्य प्रधानता

④ कानून का शासन

अजन्ता विपक्षी राजनीतिक दल ने बिना किसी लाभ के लक्ष्य स्वीकार करके कार्यवाही का सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS